उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र
जनमत टुडे
वर्ष:12 | अंक:262 | देहरादून, सोमवार, 27 सितंबर, 2021 | पृष्ठ:08

आलू बुवाई को अक्टूबर माह सर्वोत्तमः डॉ. राम बटुक

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

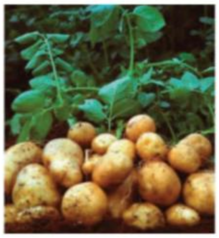

कानपुरः चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कल्याणपुर स्थित साग भाजी अनुभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ० राम बटुक सिंह ने बताया कि सब्जियों में आलू का महत्वपूर्ण स्थान है क्योंकि आलू को सब्जियों का राजा कहा गया है डॉ सिंह ने बताया कि आलू में बहुत ही अच्छी मात्रा में पोषक तत्व उपलब्ध होते हैं जो स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभकारी हैं उन्होंने बताया कि आलू में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट,मिनरल और विटामिंस आदि पाए जाते हैं उन्होंने कहा कि आलू में लगभग 79: पानी तथा 17: कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है सफेद आलू में विटामिन सी व पोटैशियम पर्याप्त मात्रा में होता है उन्होंने कहा कि आलू का वैश्विक उत्पादन 356 मिलियन टन जबकि भारत में 45 मिलियन टन उत्पादन होता है डॉ सिंह ने बताया कि आलू की बुवाई का सबसे उचित समय अक्टूबर का महीना होता है साथ ही किसानों को सलाह दी है कि बुवाई हेतु आलू को कोल्ड स्टोर से एक–दो हफ्ते पहले निकाल कर बाहर रख लें तत्पश्चात बीजों को शोधित करने के उपरांत बुवाई कर दें। जिससे रोग लगने की संभावना कम रहती है अगेती प्रजाति जैसे कुफरी चंद्रमुखी, कुफरी ज्योति, कुफरी बाहर मध्यम प्रजातियां जैसे कुफरी सिंदूरी, कुफरी लालिमा एवं पछेती प्रजातियां जैसे कुफरी जवाहर एवं कुफरी बादशाह इत्यादि हैं डॉ सिंह ने बताया कि यदि किसान वैज्ञानिक विधि से आलू की खेती करते हैं तो 20 से 30 कुंतल प्रति हेक्टेयर तक उत्पादन प्राप्त होगा।

वर्ष 15 अंक 266 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, मंगलवार 28 सितंबर 2021
कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसा
RNI N.UPHIN/2007/2709
दैनिक नगर छाया
आप की आवाज़....

आलू बुवाई हेतु अक्टूबर महीना सर्वोत्तम : डॉ. राम बटुक सिंह

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज कल्याणपुर स्थित साग भाजी अनुभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर राम बटुक सिंह ने बताया कि सब्जियों में आलू का महत्वपूर्ण स्थान है।क्योंकि आलू को सब्जियों का राजा कहा गया है। डॉ सिंह ने बताया कि आलू में बहुत ही अच्छी मात्रा में पोषक तत्व उपलब्ध होते हैं जो स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभकारी हैं। उन्होंने बताया कि आलू में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट,मिनरल और विटामिंस आदि पाए जाते हैं उन्होंने कहा कि आलू में लगभग 79त्न पानी तथा 17त्न कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है सफेद आलू में विटामिन सी व पोटैशियम पर्याप्त मात्रा में होता है। उन्होंने कहा कि आलू का वैश्विक उत्पादन 356 मिलियन टन जबकि भारत में 45 मिलियन टन उत्पादन होता है डॉ सिंह ने बताया कि आलू की बुवाई का सबसे उचित समय अक्टूबर का महीना होता है।साथ ही किसानों को सलाह दी है कि बुवाई हेतु आलू को कोल्ड स्टोर से एक–दो हफ्ते पहले निकाल कर बाहर रख लें तत्पश्चात बीजों को शोधित करने के उपरांत बुवाई कर दें। जिससे रोग लगने की संभावना कम रहती है अगेती प्रजाति जैसे कुफरी चंद्रमुखी, कुफरी ज्योति, कुफरी बाहर मध्यम प्रजातियां जैसे कुफरी सिंदूरी, कुफरी लालिमा एवं पछेती प्रजातियां जैसे कुफरी जवाहर एवं कुफरी बादशाह इत्यादि हैं। डॉ सिंह ने बताया कि यदि किसान वैज्ञानिक विधि से आलू की खेती करते हैं तो 20 से 30 कुंतल प्रति हेक्टेयर तक उत्पादन प्राप्त होगा।

Sign in to edit and save changes to this file.

www.facebook.com/worldkhabarexpress www.twitter.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress
WORLD खबर EXPRESS
सोमवार, 27-09-2021
www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com
WORLD खबर एक्सप्रेस
MID DAY E-PAPER

सीएसए के साग- भाजी अनुभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक ने दिए टिप्स

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कल्याणपुर स्थित साग-भाजी अनुभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. राम बटुक सिंह ने बताया कि सब्जियों में आलू का महत्वपूर्ण स्थान है क्योंकि आलू को सब्जियों का राजा कहा गया है।

उन्होंने बताया कि आलू में बहुत ही अच्छी मात्रा में पोषक तत्व होते हैं जो स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभकारी हैं। आलू में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, मिनरल और विटामिंस आदि पाए जाते हैं। आलू में लगभग 79 फीसदी पानी और 17 फीसदी कार्बोहाइड्रेट होता है। सफेद आलू में विटामिन सी व पोटैशियम पर्याप्त मात्रा में होता है। उन्होंने कहा कि आलू का वैश्विक उत्पादन 356 मिलियन टन जबकि भारत में 45 मिलियन टन उत्पादन होता है। आलू की बुवाई का सबसे उचित समय अक्टूबर का महीना होता है। साथ ही किसानों को सलाह दी है कि बुवाई के लिए आलू को कोल्ड स्टोर से एक-दो हफ्ते पहले निकाल कर बाहर रख लें। इसके बाद बीजों को शोधित कर बुवाई कर दें जिससे रोग लगने की संभावना कम रहती है। आलू की अगेती प्रजाति जैसे कुफरी चंद्रमुखी, कुफरी ज्योति, कुफरी बाहर मध्यम प्रजातियां जैसे कुफरी सिंदूरी, कुफरी लालिमा और पछेती प्रजातियां जैसे कुफरी जवाहर एवं कुफरी बादशाह आदि हैं। उन्होंने बताया कि यदि किसान, वैज्ञानिक विधि से आलू की खेती करते हैं तो 20 से 30 कुंतल प्रति हेक्टेयर तक उत्पादन प्राप्त होगा।

जन एक्सप्रेस
/janexpresslive
लखनऊ, मंगलवार, 28 सितम्बर, 2021, वर्ष : 12, अंक : 340, पृष्ठ : 12, मूल्य ₹ 3.00/-

प्रोटीन-विटामिंस से भरपूर होता है आलू

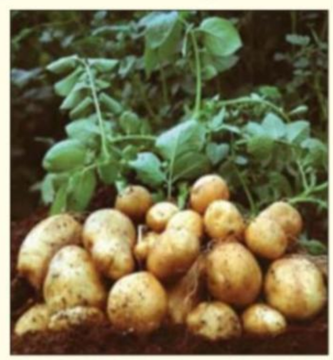

जन एक्सप्रेस/कानपुर नगर। सब्जियों में आलू का अपना एक महत्वपूर्ण स्थान है इसे सब्जियों का राजा भी कहा जाता है इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभकारी होते हैं यह बात सीएसएयू के कुलपति डॉ डी. आर. सिंह के निर्देश क्रम में सोमवार को कल्याणपुर स्थित साग भाजी अनुभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. राम बटुक सिंह ने कही। उन्होंने बताया कि आलू में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट,मिनरल और विटामिंस पाए जाते हैं इसमें लगभग 79 फीसदी पानी और 17 फीसदी कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है।आलू का वैश्विक उत्पादन 356 मिलियन टन जबकि भारत में इसका 45 मिलियन टन उत्पादन होता है। डॉ.सिंह ने बताया कि आलू की बुवाई का सबसे उचित समय अक्टूबर का महीना होता है।बुवाई के लिए आलू को कोल्ड स्टोर से एक-दो हफ्ते पहले निकाल कर बाहर रखकर बीजों को शोधित करने के बाद बुवाई करनी चाहिए इससे रोग लगने की संभावना कम रहती है।डॉ.सिंह ने बताया कि किसान वैज्ञानिक विधि से आलू की खेती कर 20 से 30 कुंतल प्रति हेक्टेयर तक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं।